

सांती देवइया परमेसर

जब कुरनिथुस सहर के कलीसिया के संग पौलुस प्रेरित के संबंध ह कुछू तना-तनी के रहिसि, तबे पौलुस ह ए चिट्ठी ए कलीसिया ला लिखे रहिसि। ए कलीसिया के कुछू सदस्यमन पौलुस के ऊपर कुछू दोस लगाय रहिन। पौलुस ह अपन बात के बचाव करत लिखिथे अऊ ओमन के संग मेल-मलाप के ईछा जाहरि करथे अऊ मेल-मलाप के बाद ओह अपन बड़े आनंद ला जाहरि करथे। ए चिट्ठी के पहिली भाग म, पौलुस ह कुरनिथुस सहर के कलीसिया के संग अपन संबंध के बारे म लिखिथे। ओह बताथे कि ओह काबर एक कठोर चिट्ठी लिखिसि। ओह आनंद जाहरि करथे, काबरकि कलीसिया के मनखेमन पछताप अऊ मेल-मलाप करथें। तब ओह कलीसिया के सदस्यमन ले बनिती करथे कि ओमन यहूदिया के गरीब बसिवासीमन बर दलि खोलके दान देवंग। आखरी अधियाय म पौलुस ह अपन प्रेरित पद के बचाव म लिखिथे। ए चिट्ठी ला खाल्हे लिखे भाग म बांटे जा सकथे।

भूमिका 1:1-11

पौलुस अऊ कुरनिथुस सहर के कलीसिया 1:12-7:16

यहूदिया प्रदेश के गरीब बसिवासी मनखेमन बर दान 8-9

पौलुस के अपन प्रेरित पद के बचाव 10:1-13:10

आखरी बात 13:11-14

1 में, पौलुस, जऊन ह परमेसर के ईछा ले मसीह यीसू के एक प्रेरित अंव, हमर भाई तीमुथायुस के संग मेंह कुरनिथुस सहर के परमेसर के कलीसिया अऊ अखया (यूनान) के जम्मो संतमन ला, ए चिट्ठी लिखित हवंग।

2 तुमन ला, परमेसर हमर ददा अऊ परभू यीसू मसीह कोत ले अनुग्रह अऊ सांती मिलत रहय।

3 परमेसर जऊन ह हमर परभू यीसू मसीह के ददा ए, दयालु ददा अऊ जम्मो किसिम के सांती के परमेसर ए, ओकर महिमा होवय। 4 ओह हमन ला हर दुःख-तकलीफ म सांती देथे, ताकि ए सांती के कारन हमन ओमन ला सांती दे सकन, जऊन मन तकलीफ म हवंग। 5 काबरकि जइसने हमन मसीह के दुःख म पूरा-पूरी भागीदार होथन, वइसने हमन मसीह के संग सांती म घलो पूरा-पूरी भागीदार होथन। 6 यदि हमन दुःख सहथन, त एह तुम्हर सांती अऊ उद्धार खातिर ए; यदि हमन ला सांती मिलिथे, त एह तुम्हर सांती खातिर ए, ताकि तुमन ओ दुःख ला धीर धरके सह सकव, जऊन ला हमन घलो सहथन। 7 हमर आसा ह तुम्हर बारे म मजबूत हवय, काबरकि हमन जानथन कि जइसने तुमन हमर दुःख म भागीदार हवव, वइसने तुमन हमर सांती म घलो भागीदार हवव।

8 हे भाईमन, हमन नई चाहथन कि तुमन ओ दुःख के बारे म अनजान रहव, जऊन ह हमर ऊपर एसिया प्रदेश म पड़े रहिसि। ओह बहुत भारी अऊ हमर सहे के बाहरि हो गे रहिसि अऊ हमन जीये के आसा छौंड़ दे रहें। 9 वास्तव म, हमन ए महसूस करेन कि हमर मरितू के हुकूम दिये गे हवय। पर एह एकरसेती होईस, ताकि हमन अपन ऊपर भरोसा इन रखन, पर परमेसर ऊपर भरोसा रखन, जऊन ह मुरदामन ला फेर जियाथे। 10 ओह हमन ला अइसने भयंकर मरितू के संकट ले बचाईस, अऊ ओह हमन ला आघू घलो बचाही। ओकर ऊपर हमर आसा हवय कि ओह हमेसा हमन ला बचाते रहीही, 11 जइसने कि तुमन पराथना के दुवारा हमर मदद करथव। तब बहुते इन के पराथना के कारन, जऊन आससि हमन पाय हवन, ओकर बर कतको इन परमेसर ला हमर कोत ले धनबाद दीहीं।

पौलुस के योजना म बदलाव

12 अब हमर घमंड के बात ए अय: हमर बचिक ह हमन ला बसिवास देवाथे कि ए

संसार म हमर आचरन, खास करके तुम्हर संग हमर संबंध ह पबतिरता अऊ ईमानदारी के संग रहिसि अऊ एह परमेसर कोर्ती ले अय। अइसने हमन संसारकि बुद्धि ले नई करेन, पर परमेसर के अनुग्रह के मुताबकि करे हवन। 13 हमन तुमन ला अइसने कुछ नई लिखथन, जऊन ला तुमन पढ़े या समझे नई सकव। अऊ मोला आसा हवय, 14 की जइसने तुमन अभी हमर कुछ भाग ला समझे हवव, बाद म ओला पूरा-पूरी समझहू की तुमन हमर ऊपर घमंड कर सकव, वइसने हमन घलो परभू यीसू के आय के दिन तुम्हर ऊपर घमंड करबो।

15 काबरकी मोला ए बात के भरोसा रहिसि तेकर खातिर, मेंह पहिली तुम्हर करा आय के योजना बनाएव ताकी तुमन ला दूबारा फायदा होवय। 16 मोर ए योजना रहिसि की मकदिनिया जावत बेरा मेंह तुम्हर करा आवंव। अऊ मकदिनिया ले लहुंटे के तुम्हर करा फेर आवंव, अऊ तब तुमन मोला यहूदिया जाय बर मोर मदद करव। 17 जब मेंह ए योजना बनाएव, त का मेंह एला अइसनेच हल्का समझेव? या का मेंह अपन योजना ला संसारकि ढंग ले बनाएव ताकी कभू “हां हां” कहंव अऊ कभू “नई नई” घलो कहंव?

18 पर परमेसर ह सच्चा गवाह ए, तुम्हर बर हमर संदेस ह “हां” अऊ “नई” दूनों नो हय। 19 काबरकी परमेसर के बेटा यीसू मसीह, जेकर परचार में अऊ सीलास अऊ तीमथियुस तुम्हर बीच म करेन, ओह “हां” अऊ “नई” दूनों नई रहिसि; पर एह हमेसा “हां” रहिसि। 20 काबरकी परमेसर के जम्मो परतगियां ह मसीह म “हां” अय। अऊ एकरसेती, ओकर जरथि, हमन परमेसर के महिमा म, “आमीन” कहथिन। 21 एह परमेसर ए जऊन ह हमन ला अऊ तुमन ला मसीह म मजबूत बनाय रखथे अऊ ओह हमर अभसिक करे हवय। 22 ओह हमर ऊपर मालिकाना हक के अपन मुहर लगाय हवय अऊ अमानत के रूप म अपन आतमा ला

हमर हरिदय म दे हवय, जऊन ह की ओकर बात के गारंटी अय।

23 मेंह परमेसर ला अपन गवाह मानके कहत हंव की तुमन ला दुःख ले बचाय खातिर, मेंह कुरनिथुस सहर ला लहुंटे के नई आयेंव। 24 ए बात नो हय की हमन तुम्हर बसिवास ऊपर परभूता करे चाहथन, पर तुम्हर आनंद के खातिर हमन तुम्हर संग काम करथन, काबरकी बसिवास के दुवारा ही तुमन मजबूत बने रहथिव।

2 एकरसेती, मेंह अपन मन म ठान ले हंव की मेंह फेर तुमन ला दुःखी करे बर नई आवंव। 2 काबरकी यदि मेंह तुमन ला दुःखी करथंव, त फेर मोला खुसी देवइया कोन होही? सरिपि तुमन जऊन मन ला मेंह दुःखी करेंव। 3 एकरसेती मेंह ओ चिट्ठी लिखें ताकी जब मेंह आवंव, त ओमन के दुवारा मोला दुःख इन मलिय, जऊन मन के दुवारा मोला आनंद मलिना चाही। मोला तुमन जम्मो इन ऊपर भरोसा हवय की तुमन मोर आनंद म भागीदार होहू। 4 मेंह तुमन ला बड़े दुःखी अऊ पीरा भरे मन ले अऊ आंसू बोहा-बोहाके लिखे रहेंव; मेंह तुमन ला दुःखी करे बर नई लिखेंव, पर तुमन ला ए बताय बर की मेंह तुमन ला कतेक जादा मया करथंव।

पापीमन बर छेमा

5 यदि कोनो मनखे ह दुःख दे हवय, त ओह मोला नई, पर तुमन जम्मो इन ला दुःख दे हवय। मेंह ओकर संग जादा कठोर बरताव नई करे चाहथंव। 6 जऊन सजा बहुंते इन के दुवारा ओला मलि हवय, ओह ओकर बर बहुंत ए। 7 अब एकर बदले, तुमन ओला छेमा करव अऊ ढाढ़स बंधावव, ताकी ओह जादा दुःख म इन डुब जावय। 8 एकरसेती, मेंह तुम्हर ले बनिती करथंव की ओला अपन मया के सबूत देवव। 9 मेंह एकरसेती घलो लिखे रहेंव की तुमन ला परखंव अऊ जान लेवंव की तुमन जम्मो बात म हुकूम मानथव की नई। 10 यदि तुमन कोनो ला छेमा करथव, त मेंह घलो ओला छेमा करथंव। अऊ जऊन कुछ ला मेंह छेमा करे हवंव—त

मेंह मसीह ला हाजरि जानके तुम्हर हति म छेमा करे हवंव—यदी छेमा के लइक कोनो बात रहिसि त, 11ताका सैतान के कोनो चाल हमर ऊपर सफल झन होवय। काबरका हमन ओकर योजनामन ला जानथन।

नवां करार के सेवक

12जब मेंह मसीह के सुघर संदेस सुनाय बर त्रोआस सहर ला गेव अऊ ए जानेव का परभू ह मोर काम खातिर एक रसता खोल दे हवय, 13तभो ले मोर मन म सांतनिइ रहिसि, काबरका मोला उहां मोर भाई तीतुस नई मलिसि। एकरसेता ओमन ले बिदा होके मेंह मकदिनया ला चल देंव।

14पर परमेसर के धनबाद होवय, जऊन ह मसीह म हमेसा हमन ला जय देवाथे अऊ ओह हमर जरथि, हर जगह मसीह के गयान के खुसबू ला बगराथे। 15काबरका हमन परमेसर के खातिर नास होवइया अऊ उद्धार पवइया, दूनो मन के बीच म मसीह के खुसबू सहीं अन। 16एक झन बर हमन मरितू के दुरगंध अन, त आने बर हमन जनिगी के खुसबू। कोन ह अइसने काम करे के लइक हवय? 17हमन ओ बहुते मनखेमन सहीं नो हन, जऊन मन अपन फायदा बर परमेसर के बचन के काम ला फेरीवालामन सहीं करथें। पर एकर उल्टा, ईमानदारी के संग, परमेसर ले पठोय गय मनखे सहीं, हमन मसीह के सेवक के रूप म परमेसर ला हाजरि जानके मनखेमन के आधू म गोठयाथन।

3 का हमन फेर अपन बड़ई करत हवन? या आने मनखेमन सहीं, हमन ला तुम्हर करा सफारिसी चिट्ठी लाने या तुम्हर करा ले, ले जाय के जरूरत हवय? 2तुमन खुद हमर चिट्ठी अव, जऊन ह हमर हरिदय म लिखाय हवय अऊ जऊन ला जम्मो झन जानथें अऊ पढ़थें। 3तुम्हर जनिगी ह देखाथे का तुमन मसीह के चिट्ठी अव अऊ हमर सेवा के फर अव अऊ ए चिट्ठी ह सयाही ले नई, पर जीयत परमेसर के आतमा ले लिखि गे हवय अऊ एह पथरा के पटिया म नई, पर मनखेमन के हरिदय रूपी पटिया म लिखि गे हवय।

4मसीह के जरथि, परमेसर के ऊपर हमर अइसनेच भरोसा हवय। 5हमन म अइसने कुछ नई ए का हमन कह सकन का हमन ए काम करे के काबलि हवन। हमर काबलियित परमेसर करा ले आथे। 6ओह हमन ला एक नवां करार के सेवक होय के लइक बनाय हवय अऊ ए नवां करार ह लिखित म नई ए, पर एह पबतिर आतमा म हवय; काबरका लिखित कानून ह मरितू लानथे, पर पबतिर आतमा ह जनिगी देखे।

नवां करार के महिमा

7यदी लिखित कानून, जऊन ह मरितू लानसि, अऊ जऊन ह पथरा के पटिया म लिखि गे रहिसि; अइसने महिमा के संग आईस, का एकर तेज के कारन इसरायलीमन मूसा के चेहरा ला एकटक नई देख सकनि, हालाका ओ तेज ह कम होवत जावत रहिसि; 8त का पबतिर आतमा के सेवा ह ओकर ले जादा महिमामय नई होही? 9यदी लिखित कानून के सेवा ह महिमामय रहिसि, जऊन ह मनखेमन ला दोसी ठहराथे, त फेर ओ सेवा ह कतेक जादा महिमामय होही, जऊन ह मनखेमन ला धरमी ठहराथे।

10वासुतव म, पहिली जऊन ह महिमामय रहिसि, ओम अऊ तेज नई ए, काबरका अभी के महिमा के तेज ह ओकर ले बढ़ के हवय। 11जऊन तेज ह कम होवत जावत रहिसि, ओह अतेक महिमा के संग आईस, त फेर जऊन ह हमेसा रहथि, ओकर महिमा ह कतेक जादा बढ़ के होही।

12एकरसेता, जब हमन करा अइसने आसा हवय, त हमन बहुते हमिमती अन। 13हमन मूसा सहीं नो हन, जऊन ह अपन चेहरा म परदा डाले रहिसि ताका इसरायलीमन ओ तेज ला झन देख सकय, जऊन ह फीका पड़त जावत रहिसि। 14पर इसरायलीमन के बुद्धि ला कमजोर कर दिये गे रहिसि, अऊ आज घलो, जब ओमन ओ पुराना करार ला पढ़थें, त ओमन के मन म ओ परदा पड़े रहथि। ए परदा ह टारे नई गे हवय; पर जब कोनो मसीह ला गरहन करथे, तभे ए परदा ह

हटथे। 15 आज घलो जब मूसा के किताब ला पढ़े जाथे, त ओमन के मन म एक परदा पड़े रहथि। 16 पर जब भी कोनो परभू करा आथे, त ओ परदा ला टार दयि जाथे। 17 परभू ह तो आतमा ए, अऊ जहिं परभू के आतमा हवय, उहां सुतंतरता हवय। 18 अऊ हमर चेहरा ले परदा हट गे हवय अऊ हमन जम्मो परभू के महिमा ला परगट करथन, अऊ बढ़त महिमा के संग हमन ओकर रूप म बदलत जावत हन, अऊ ए बढ़त महिमा ह परभू करा ले आथे, जऊन ह आतमा ए।

माटी के बरतन म धन

4 एकरसेति, जब हमन ला परमेसर के दया ले ओकर सेवा के काम मलि हवय, त हमन हमिमत नई हारन। 2 हमन गुपत अऊ लज्जा के काममन ला छोड़ दे हवन; हमन ठगी नई करन अऊ न ही परमेसर के बचन ला तोड़-मरोड़ के बतावन। एकर उल्टा सचर्चई ला साफ-साफ बताय के दुवारा, हमन अपन-आप ला परमेसर के आघू म हर मनखे के बविक के ऊपर छोड़ देथन। 3 अऊ यदा मनखेमन के दमाग म परदा पड़े हवय, जब हमन सुघर संदेस सुनाथन, त ए परदा ह सरिपि ओमन के ऊपर हवय, जऊन मन नास होवत हवय। 4 ए जुग के देवता (सैतान) ह अबसिवासीमन के बुद्धा ला अंधरा कर दे हवय; ताका ओमन परमेसर के रूप याने मसीह के अंजोर ला इन देख सकय, अऊ ए अंजोर ह मसीह के महिमा के सुघर संदेस ले आथे। 5 हमन अपन परचार नई करन, पर ए परचार करथन कि यीसू मसीह ह परभू ए अऊ हमन यीसू के हति म तुम्हर सेवक अन। 6 काबरका एह परमेसर ए, जऊन ह कहसि, “अंधियार म ले अंजोर हो जावय।” ओहीच परमेसर ह अपन अंजोर ला हमर हरिदय म चमकाईस ताका हमन ओकर महिमा के गयान के अंजोर ला पा सकन, जऊन ह मसीह के चेहरा म हवय।

7 पर हमर करा माटी के बरतन म ए आत्मिक धन ह ए दखाथे, कि ए महान सामरथ ह हमर नो हय, पर परमेसर के अय।

8 हमन जम्मो कोर्ता ले दुःख तो भोगथन, पर टूटन नई; बयिकुल तो होथन, पर नरिस नई होवन। 9 हमन सताय तो जाथन, पर तयागे नई जावन; मार तो खाथन, पर नास नई होवन। 10 हमन हमेसा अपन देहें म यीसू के मरितू ला अनुभव करथन, ताका यीसू के जनिगी घलो हमर देहें म दखिय। 11 हमर जीयत म, हमन हमेसा यीसू खातरि मरितू के खतरा म रहथिन, ताका ओकर जनिगी ह हमर नासमान सरीर म दखिय। 12 ए किसिम ले, मरितू ह हमन म काम करत हवय, पर जनिगी ह तुमन म काम करत हवय।

13 परमेसर के बचन म ए लिखे हवय, “मेंह बसिवास करेंव; एकरसेति मेंह गोठियाएंव।” बसिवास के ओहीच आतमा के संग हमन घलो बसिवास करथन अऊ एकरसेति हमन गोठियाथन। 14 हमन जानथन कि परमेसर जऊन ह परभू यीसू ला मरे म ले जियाईस; ओह हमन ला घलो यीसू के संग जियाही अऊ तुम्हर संग हमन ला अपन आघू म लानही। 15 ए जम्मो ह तुम्हर फायदा बर ए, ताका जऊन अनुग्रह ह जादा से जादा मनखेमन करा पहुंचत हवय, ओ अनुग्रह के कारन मनखेमन परमेसर के महिमा बर अऊ जादा धनबाद देवय।

16 एकरसेति, हमन हमिमत नई हारन। हालाकि हमर देहें ह धीरे-धीरे कमजोर होवत जावत हवय, पर आत्मिक रूप ले दिन ब दिन हमन नवां होवत जावत हन। 17 काबरका हमर ए छोटे अऊ पल भर के समस्या ह हमर बर एक अनंत महिमा लावत हवय, जऊन ह सदाकाल तक बने रहिही। 18 एकरसेति, हमन ओ चीज ऊपर धियान नई देवन, जऊन ह दखित हवय, पर हमन ओ चीज ऊपर धियान लगाथन, जऊन ह नई दखित हवय। काबरका जऊन चीज ह दखित हवय, ओह सरिपि कुछू समय बर अय, पर जऊन चीज ह नई दखिय, ओह सदाकाल तक बने रहिथे।

स्वरग म हमर न्वास

5 हमन जानथन कि ए संसारकि देहें जऊन म हमन रहथिन, जब नास करे

जाही, तब परमेसर कोर्ता ले हमन ला एक घर मलिही; अऊ एह स्वरग म सदाकाल के घर ए, जऊन ह मनखे के हांथ के बनाय नो हय। 2इहां रहत हमन दुःख म कल्हरत हवन अऊ हमर स्वरगीय घर ला पाय के ईछा रखथन। 3अऊ जब हमन ए घर म रहबिो, त हमन नंगरा नई पाय जाबो। 4ए देहें म रहे के दौरान, हमन कल्हरत रहथिन अऊ बोझ ले दबे रहथिन, काबरका हमन बगिर कपड़ा पहिरि नई रहे चाहन, पर हमन स्वरगीय घर ला पहिरि चाहथन, ताका नासमान देहें ह सदाकाल के जीयत देहें म बदल दियि जावय। 5ए उदेस्य खातिर जऊन ह हमन ला बनाय हवय, ओह खुद परमेसर ए अऊ ओह हमन ला सदाकाल के घर के गारंटी के रूप म पबतिर आतमा दे हवय।

6एकरसेति, हमन हमेसा भरोसा करथन अऊ जानथन कि जब तक हमन ए देहें म रहथिन, तब तक हमन परभू ले दूरिहा हवन। 7अब हमन कोनो चीज ला देखे के नई, पर बसिवास के दुवारा चलथन। 8हमन ला भरोसा हवय अऊ हमन ए देहें ले अलग होके परभू के संग रहई अऊ बढ़िया समझथन। 9एकरसेति, चाहे हमन ए देहें म रहन या एकर ले अलग रहन, हमर उदेस्य ए अय कि हमन परभू ला खुस रखन। 10काबरका हमन जम्मो झन ला मसीह के नियाय आसन के आघू म जाना जरूरी ए, ताकिहर एक मनखे सरीर म रहत, जऊन काम करे हवय, चाहे भलई के काम होवय या बुरई के, ओला ओकर परतफिल मलिय।

मेल-मलाप के सेवा

11एकरसेति, परभू के भय ला जानके, हमन मनखेमन ला मनाय के कोससि करथन। हमन का अन, एला परमेसर ह जानथे अऊ मोला आसा हवय कि तुम्हर बविक घलो एला जानथे। 12हमन तुम्हर आघू म फेर अपन-आप के बड़ई करे के कोससि नई करथन, पर हमन तुमन ला हमर बारे म घमंड करे के एक मऊका देवत हवन; ताकि तुमन ओमन ला जबाब दे सकव, जऊन मन मनखे के

सुघर चाल-चलन ऊपर नई, पर मनखे के पद ऊपर घमंड करथें। 13यदि हमन सुध-बुध खो दे हवन, त एह परमेसर खातिर ए, अऊ यदि हमन सुध-बुध म हवन, त एह तुम्हर खातिर ए। 14मसीह के मया ह हमन ला बाध्य करथे। हमन समझ गे हवन कि एक झन ह जम्मो झन बर मरसि अऊ एकरसेति जम्मो झन मर गीन। 15अऊ ओह जम्मो झन बर मरसि ताका जऊन मन जीयथें, ओमन अब अपन बर नई, पर मसीह बर जीयंय, जऊन ह ओमन बर मरसि अऊ फेर जी उठसि।

16एकरसेति, हमन अब संसारकि नजर ले काकरो बारे म अपन बचिर नई रखन। हालाका एक समय रहिसि जब मसीह के बारे म, हमर ए कसिम के बचिर रहिसि, पर हमन अब अइसने नई करन। 17यदि कोनो मनखे मसीह म हवय, त ओह एक नवां सरिसिटी ए। पुराना बात खतम हो गीस, अऊ जम्मो बात ह नवां हो गे हवय। 18ए जम्मो ह परमेसर के दुवारा होईस, जऊन ह मसीह के जरथि अपन संग हमर मेल-मलाप करसि अऊ हमन ला मेल-मलाप के सेवा दीस। 19एकर मतलब ए कि परमेसर ह मसीह के जरथि अपन संग जम्मो मनखेमन के मेल-मलाप करसि अऊ ओह मनखेमन ऊपर ओमन के पाप के दोस नई लगाईस। अऊ ओह मेल-मलाप के संदेस के परचार के जम्मेदारी हमन ला दीस।

20एकरसेति, हमन मसीह के राजदूत अन, मानो परमेसर ह हमर जरथि तुमन ले बनिती करत हवय। मसीह कोर्ता ले, हमन तुम्हर ले बनिती करथन कि परमेसर के संग मेल-मलाप कर लेवव। 21मसीह ह कोनो पाप नई करे रहिसि, पर हमर हति म, परमेसर ह हमर पाप ला ओकर ऊपर डार दीस ताका मसीह के जरथि परमेसर के धरमीपन ह हमन म आ जावय।

6 हमन परमेसर के संगी करमी के रूप म, तुमन ले बनिती करथन कि परमेसर ले मलि अनुग्रह ला बेकार झन होवन देवव। 2काबरका परमेसर ह कहथि,

“अपन ठीक समय म मेंह तुम्हर पराथना ला सुनेव,

अऊ उद्धार के दिन म मेंह तुम्हर मदद करेंव।”

मेंह तुमन ला बतावत हंव, देखव, एह सही समय ए, एह उद्धार के दिन ए।

पौलुस के दुःख सहई

3हमन काकरो रसता म बाधा नई डालन, ताकी कोनो हमर सेवा म दोस झन पावय। 4पर हर बात म हमन अपन-आप ला परमेसर के सेवक जताथन—सहन करे म, समस्या, दुःख, अऊ बपित्ती म, 5मार खाय, जेल जाय म अऊ मनखेमन के हंगामा करे म; कठोर महिनत, रात-रात भर जगई अऊ भूख म; 6सुधता, समझ, धीरज अऊ दयालुता म; पबतिर आतमा म अऊ नसिकपट मया म; 7सच बात गोठियाय म, अऊ परमेसर के सामरथ म; धरमीपन के हथियार संग लड़े म अऊ बचाव करे म; 8आदर अऊ अनादर म, बड़ई अऊ बदनामी म। हमन सच गोठियाथन, तभो ले हमर संग लबरामन सहीं बरताव करे जाथे। 9हमन ला जम्मो झन जानथें, तभो ले हमर संग अनजानमन सहीं बरताव करे जाथे। हमन मरे सहीं रहथिन, पर हमन जीयत हवन। हमन मार खाथन, पर मार डारे नई जावन। 10हमन दुःखी तो हवन, पर हमेसा आनंद मनावत रहथिन। हमन गरीब अन, पर बहुंत झन ला धनवान बनाथन। हमर करा कुछू नई ए, तभो ले हमन जम्मो चीज ऊपर अधिकार रखथन।

11हे कुरनिथुस सहर के मनखेमन, हमन तुमन ले खुलके गोठियाय हवन अऊ हमर हरिदय तुम्हर बर खुला हवय। 12तुम्हर बर हमन अपन मया ला नई रोकत हवन, पर हमर बर तुमन अपन मया ला रोकत हवव। 13मेंह तुमन ला अपन लइका जानके कहथं व काँ एकर बदला म, तुमन घलो अपन हरिदय ला खोल देवव।

अबसिवासीमन संग साझीदार झन होवव

14अबसिवासीमन के संग साझीदार झन बनव। काबरका धरमीपन अऊ अधरम म का समानता? या अंजोर अऊ अंधियार के

का संगत? 15मसीह अऊ सैतान के बीच म का मेल हवय? एक बसिवासी के एक अबसिवासी संग का समानता? 16परमेसर के मंदिर अऊ मूरतीमन के बीच म का सहमती? काबरका हमन जीयत परमेसर के मंदिर अन; जइसने का परमेसर ह कहे हवय:

“मेंह ओमन के संग रहहिं अऊ ओमन के बीच चलहूं-फरिहूं,
अऊ मेंह ओमन के परमेसर होहूं अऊ ओमन मोर मनखे होहीं।”

17एकरसेत परभू ह कहथिं,

“ओमन के बीच म ले नकिर आवव अऊ अलग रहव। असुध चीज ला झन छूवव,
त मेंह तुमन ला गरहन करहूं।”

18सर्वसक्तमन परभू ह कहथिं,

“मेंह तुम्हर ददा होहूं,
अऊ तुमन मोर बेटा अऊ बेटी होहूं।”

7 हे मयारू संगवारीमन, जब हमर संग परमेसर ह ए परतगियां करे हवय, त आवव, हमन अपन देहें अऊ आतमा ला जम्मो गंदगी ले सुध करन, अऊ परमेसर के भय म रहत अपन-आप ला पूरा-पूरी पबतिर करन।

पौलुस के आनंद

2हमर बर अपन हरिदय ला खोलव। हमन काकरो अनयाय नई करे हवन; हमन काकरो नई बगिाड़े हवन अऊ हमन काकरो ले कोनो फायदा नई उठाय हवन। 3मेंह तुमन ला दोसी ठहराय बर, ए नई कहत हवंव। काबरका मेंह पहिली ले कह चुके हवंव काँ तुमन हमर हरिदय म अइसने बस गे हवव काँ हमन तुम्हर संग मरे या जीये बर घलो तयार हवन। 4मोला तुम्हर ऊपर बहुंत भरोसा हवय; मोला तुम्हर ऊपर बड़ घमंड हवय। मेंह बहुंत उत्साहित हवंव। अपन जम्मो समस्या म घलो, मेंह बहुंत आनंदित हवंव।

5काबरका जब हमन मकदिनया म आयें, त हमन ला कोनो अराम नई मलिसि,

पर हमन हर तरफ ले दुःख पायेन—बाहरि म झगरा होवत रहय अऊ हमर हरिदय म डर बने रहय। 6पर परमेसर जऊन ह उदास मनखेमन ला सांती देथे, तीतुस के आय के दुवारा हमन ला सांती दीस। 7अऊ सरिपि ओकर आय के दुवारा ही नई, पर जऊन सांती ओला तुमन दे हवव, ओकर दुवारा घलो। ओह हमन ला तुम्हर मया, तुम्हर दुःख अऊ मोर बर तुम्हर चिता के बारे बताईस, जेकर ले मेंह अऊ आनंदति होवत हवंव।

8हालाकि मोर चिट्ठी के दुवारा तुमन ला दुःख पहुंचिसि, पर मेंह ओकर बर नई पछतावत हंव, जइसने की पहिली पछतावत रहेंव; काबरकी मेंह देखत हंव की मोर चिट्ठी ले तुमन ला दुःख तो पहुंचिसि, पर ओह थोरकन समय बर रहिसि। 9पर अब मेंह खुस हवंव। मोर खुसी ह एकरसेती नो हय की तुमन ला दुःख पहुंचिसि, पर एकरसेती अय की ओ दुःख के कारन तुमन पछताप करेव। परमेसर के ईछा के मुताबिक तुमन ला दुःख पहुंचिसि अऊ ए किसिम ले तुमन ला हमर कोती ले कोनो नुकसान नई होईस। 10काबरकी परमेसर के ईछा के मुताबिक दुःख सहे ले पछतावा होथे, जेकर ले उद्धार मलिथे अऊ एकर ले दुःख नई होवय, पर संसारिक दुःख ले मरितू होथे। 11देखव, ए दुःख जऊन ह तुमन ला परमेसर के ईछा के मुताबिक मलिसि, तुमन म कतेक उत्सुकता अऊ अपन-आप ला नदिरोस साबति करे बर उत्साह, कोरोध, भय, लालसा, बयिकुलता अऊ नियाय देवाय बर तत्परता लानसि। हर किसिम ले तुमन अपन-आप ला ए चीज म नरिदोस साबति करे हवव। 12मेंह तुमन ला ओ चिट्ठी एकरसेती नई लिखेंव की मोला अनियाय करइया या अनियाय सहइया के चिता रहिसि, पर एकरसेती लिखेंव की परमेसर के आधू म तुमन खुद जान लेवव की हमर बर तुम्हर कतेक लगाव हवय। 13ए जम्मो के दुवारा हमन ला उत्साह मलिसि। अऊ हमन सरिपि उत्साहित ही नई होएन, पर हमन ला ए देखके खुसी होईस की जऊन मदद तुमन तीतुस ला दे रहेव, ओकर सेती

ओह बड़ खुस हवय। 14मेंह तीतुस के आधू म तुम्हर बड़ई करे रहेंव अऊ तुमन एकर बारे म मोला सरमन्दि नई करेव। पर जइसने हमन तुम्हर ले हमेसा सच गोठियाय हवन, वइसने तुम्हर बारे म हमर बड़ई ह तीतुस के आधू म सच साबति होय हवय। 15जब ओह सुरता करथे की कइसने तुमन जम्मो झन हुकूम ला मानत रहेव अऊ कइसने तुमन डरत अऊ कांपत ओला गरहन करेव, त तुम्हर बर ओकर मया ह अऊ बड़ जाये। 16मोला खुसी हवय की मेंह तुम्हर ऊपर पूरा भरोसा कर सकथंव।

हर बात म उदार बनव

8 हे भाईमन हो, हमन चाहथन की तुमन ओ अनुग्रह के बारे म जानव, जऊन ला परमेसर ह मकदिनया के कलीसियामन ला दे हवय। 2दुःख के भारी परछा म ओमन बड़ आनंद मनावत हवय अऊ भयंकर गरीबी म ओमन अबूबड़ दानी हो गे हवय। 3काबरकी मेंह गवाही दे सकथंव की अपन सक्ती के मुताबिक ओमन जतकी जादा हो सकसि, दे हवय; अऊ त अऊ ओमन अपन सक्ती ले बाहरि घलो दे हवय। अऊ अपन पूरा ईछा ले दे हवय। 4ओमन बार-बार हमर ले बनिती करनि की ओमन ला संतमन के सेवा म मदद करे बर मऊका मलिय। 5अऊ जइसने हमन आसा करत रहें, ओमन वइसने नई करनि, पर ओमन पहिली अपन-आप ला परभू ला दे दीन अऊ तब परमेसर के ईछा के मुताबिक अपन-आप ला हमर अधीन कर दीन। 6तीतुस ह पहिली ए काम ला सुरू करे रहिसि, एकरसेती हमन ओकर ले बनिती करेन की ओह अनुग्रह के ए काम ला तुम्हर बीच म पूरा घलो करय। 7पर जइसने तुमन हर बात म बहुत जावत हव—बसिवास म, बचन बोलई म, गयान म, लगन से काम करई म अऊ हमर बर तुम्हर मया म—वइसने ही तुमन दान देय के मामला म घलो बहुत जावव।

8मेंह तुमन ला हुकूम नई देवत हंव, पर आने मन के उत्साह के तुलना म, मेंह परखे

चाहथं व का तुम्हर मया म कतेक सचचई हवय। 9काबरका तुमन हमर परभू यीसू मसीह के अनुग्रह ला जानत हव। हालाका ओह धनी रहिसि, पर तुम्हर हति म ओह गरीब बन गीस, ताका ओकर गरीबी के जरयि तुमन धनवान हो जावव।

10इहां मेंह तुमन ला एकर बारे म सलाह देवत हंव का तुम्हर बर का बुता ह सबले बने होही। पऊर साल, तुमन सरिपि देय के मामला म ही पहिली नई रहेव, पर तुम्हर अइसने करे के ईछा घलो रहिसि। 11अब ओ काम ला पूरा करव ताका एला करे के तुम्हर जऊन उत्सुकता हवय, ओह काम के पूरा करे म मेल खावय, अऊ जऊन कुछू तुम्हर करा हवय, ओकर मुताबकि एला करव। 12काबरका यदि तुम्हर देय के ईछा हवय, त जऊन कुछू तुम्हर करा हवय, ओकर आधार म तुम्हर दान ह गरहन होही, जऊन ह तुम्हर करा नई ए, ओकर आधार म नई।

13एह हमर ईछा नो हय का आने मन ला अराम मलिय अऊ तुम्हर ऊपर बोझ पड़य, पर हमन चाहथन का बरोबरी के बात होवय। 14अभी तुम्हर करा बहुंत हवय, त तुमन ओमन के जरूरत म देवव, ताका बदले म, जब ओमन करा बहुंत होही, त ओमन तुम्हर जरूरत म दहिी। तभे बरोबरी होही। 15जइसने का परमेसर के बचन म ए लिखे हवय: “जऊन ह बहुंते बटोरसि, ओकर करा जादा नई बांचसि, अऊ जऊन ह थोरकन बटोरसि, ओला घटी नई होईस।”

तीतुस ला कुरनिथुस सहर म पठोय गीस

16मेंह परमेसर ला धनबाद देखं व का ओह तीतुस के मन म ओहीच चंति डाल दीस, जऊन ह मोर मन म तुम्हर बर हवय। 17तीतुस ह सरिपि हमर बात ला ही नई मानसि, पर ओह अपन ईछा ले बहुंत उत्साह के संग तुम्हर करा आवत हवय। 18अऊ हमन ओकर संग ओ भाई ला पठोवत हन, जेकर बड़ई जम्मो कलीसिया के मन सुघर संदेस के ओकर सेवा खातिर करथें। 19एकर अलावा, ओह कलीसियामन के दुवारा चुने

गे हवय ताका ओह हमर संग जावय, जब हमन दान लेके जाथन। हमन ए सेवा ला परभू के महिमा बर करथन अऊ ए देखाय बर करथन कि हमन आने के मदद करे बर उत्सुक हवन। 20हमन ए धियान रखथन का उदारता के दान के हमर जऊन सेवा हवय, ओकर बारे म कोनो हमर ऊपर दोस झन लगावय। 21हमर उदेस्य ए अय का हमन सही काम करन, सरिपि परभू के नजर म ही नई, पर मनखेमन के नजर म घलो।

22एकरसेति, ओमन के संग हमन अपन भाई ला पठोवत हन, जऊन ला हमन कतको बार परखे हवन अऊ ए पायेन का ओह तुम्हर मदद करे बर हमेसा उत्सुक रहथि, अऊ अब ओह अऊ घलो उत्सुक हवय, काबरका तुम्हर ऊपर ओला बड़ भरोसा हवय। 23यदा कोनो तीतुस के बारे म पुछथे, त बतावव का ओह मोर भागीदार अऊ तुम्हर बीच म मोर सहकरमी अय; अऊ यदि कोनो हमर भाईमन के बारे म पुछथे, त बतावव का ओमन कलीसिया के परतनिधि अऊ मसीह के महिमा अंय। 24एकरसेति तुम्हर मया अऊ तुम्हर बारे म हमर जऊन घमंड हवय, ओला ए मनखेमन के आघू म साबति करव, ताका जम्मो कलीसियामन एला देख सकय।

9 संतमन बर जऊन सेवा करे जाथे, ओकर बारे म तुमन ला लिखे के जरूरत नई ए। 2काबरक मेंह जानथं व का तुमन मदद करे बर उत्सुक रहथि व अऊ मेंह मकदिनिया के मनखेमन के आघू म तुम्हर बारे म डींग हांक के ए कहे हवं व का पऊर साल ले तुमन, जऊन मन अखया म रहथि व, मदद करे बर तयार हव व अऊ तुम्हर उत्साह ह ओम के बहुंते झन ला उत्साहित करे हवय। 3पर मेंह ए भाईमन ला एकरसेति पठोवत हवं व ताका ए बसिय म तुम्हर बारे, हमन जऊन घमंड करे हवन, ओह लबरा साबति झन होवय, पर जइसने मेंह कहे हवं व, तुमन तयार रहव। 4काबरका यदि कोनो मकदिनिया के मनखे ह मोर संग आथे अऊ ए देखथे का तुमन तयार नई अव, त हमन तुम्हर बारे म कुछू कहे नई सकबो, अऊ तुम्हर ऊपर अतेक भरोसा करे

के बाद हमर बेजतूती होही। 5 एकरसेती, मेंह भाईमन ले ए बनिती करना जरूरी समझेंव की ओमन पहिली ले तुम्हर करा जावय अऊ ओ दान के परबन्ध करय, जऊन ला तुमन देय के वायदा करे हवव। तब एह दबाव म दिये गय दान नई, पर उदार मन ले दिये गय दान होही।

उदार मन ले बोवव

6 ए बात ला सुरता रखव: जऊन ह थोरकन बोथे, ओह थोरकन काटही घलो, अऊ जऊन ह बहुंत बोथे, ओह बहुंते काटही घलो। 7 हर एक मनखे वइसने ही दान करय, जइसने ओह अपन मन म ठाने हवय; न अनछिा ले अऊ न ही दबाव ले, काबरकी परमेसर ह ओकर ले मया करथे जऊन ह खुसी मन ले देखे। 8 परमेसर ह तुमन ला जम्मो किसिम के आससि बहुंतायत ले देय म सामरथी अय, ताकी तुम्हर करा जरूरत के हर चीज हमेसा बहुंतायत म रहय अऊ तुमन हर एक बने काम म बहुंतायत से दे सकव। 9 जइसने की परमेसर के बचन म लिखे हवय:

“ओह दिलि खोलके गरीबमन ला दान देखे; ओकर धरमीपन ह सदाकाल तक बने रहथि।”

10 जऊन परमेसर ह बोवइया ला बीजा अऊ खाय बर रोटी देखे, ओह तुमन ला घलो बीजा अऊ खाय बर रोटी दीही अऊ तुम्हर बीजा के भंडार ला बढ़ाही अऊ तुम्हर धरमीपन के काम ला बगराही। 11 तुमन ला हर किसिम ले धनवान बनाय जाही, ताकी तुमन हर समय उदार बनव अऊ हमर जरयि तुमन जऊन उदारता ले देखव, ओकरे कारन बहुंते झन परमेसर ला धनबाद दीहीं।

12 तुम्हर ए सेवा के कारन, परमेसर के मनखेमन के सरिपि जरूरत ही पूरा नई होवत हवय, पर कतेक किसिम ले बहुंतायत ले परमेसर के धनबाद घलो होवत हवय। 13 ए सेवा के दुवारा तुमन अपन-आप ला साबति कर चुके हवव, एकरसेती मनखेमन परमेसर के महिमा करहीं, काबरकी तुमन मसीह के सुघर संदेस ला गरहन करके ओकर मुताबिक चलत हवव अऊ दिलि खोलके तुमन ओमन

ला अऊ आने जम्मो झन ला दान देवत हवव। 14 ओमन तुम्हर बर पराथना करथें अऊ ओमन के मन ह तुमन म लगे रहथि, काबरकी परमेसर के अनुग्रह तुम्हर ऊपर बहुंतायत ले होय हवय। 15 परमेसर के धनबाद होवय ओकर ओ दान खातिर, जेकर बयान नई करे जा सकय।

पौलुस ह अपन सेवा के बचाव करथे

10 में पौलुस ह मसीह के कोमलता अऊ नमरता के कारन तुमन ले बनिती करत हंव—जब मेंह तुम्हर आघू म रहथिंव, त डरपोक हो जाथंव; पर जब तुम्हर ले दूरिा रहथिंव, त साहसी हो जाथंव। 2 मेंह तुम्हर ले बनिती करथंव की तुमन अइसने काम करव की जब मेंह आवंव, त मोला तुम्हर संग कड़ई झन करना पड़य, जइसने की मोला ओमन के संग करना चाही, जऊन मन ए समझेंव की हमन संसार के मुताबिक आचरन करथन। 3 हालाकी हमन संसार म रहथिन, पर हमन संसारकि उदेस्य बर नई लड़न। 4 हमर लड़ई के हथियारमन संसारकि नो हय, पर एमन परमेसर के सामरथी हथियार अय, जेमन सैतान के गढ़ ला नास कर देखें। 5 हमन बहस अऊ ओ हर एक घमंड ले भरे बात ला नास कर देखन, जऊन ह परमेसर के गयान के बरिोध म ठाढ़ होथे अऊ हमन मनखेमन के हर एक बरिोध के बात ला कैद कर लेथन ताकी ओमन मसीह के बात ला मानय। 6 अऊ जब तुम्हर हुकूम माने के बात ह साबति हो जाही, त हमन हर एक ओ हुकूम नई मनइयामन ला सजा दे बर तयार रहबि।

7 तुमन सरिपि बाहरि के चीज ला देखत हवव। यदि कोनो ला ए भरोसा हवय की ओह मसीह के अय, त ओला फेर बचिार करना चाही की जइसने ओह मसीह के अय, वइसने हमन घलो मसीह के अन। 8 काबरकी यदि मेंह हमर अधिकार के बारे म कुछ घमंड करथंव, त एह मोर बर सरम के बात नो हय, काबरकी ए अधिकार, परभू ह हमन ला तुम्हर उन्नति बर दे हवय, तुमन ला नास

करे बर नईं। 9मेंह नईं चाहत हंव कि तुमन ए समझव कि मेंह अपन चिट्ठी के दुवारा तुमन ला डराय के कोससि करत हंव। 10काबरकी कुछ मनखेमन कहथिं, “पौलुस के चिट्ठी ह असरदार अऊ कठोर होथे, पर जब ओह हमर संग रहथि, त ओह मनखे के रूप म कमजोर अऊ ओकर बातचीत ह हल्का जान पड़थे।” 11अइसने मनखेमन ए बात ला जान लेवंग कि पीठ पाछू जइसने हमन अपन चिट्ठी म लिखथन, वइसनेच हमर काम घलो होही, जब हमन तुम्हर करा आबो।

12जऊन मन खुद के बड़ई करथें, हमन अपन ला ओ मनखेमन के बरोबर रखे के या ओमन के संग अपन तुलना करे के हिम्मत नईं करन। जब ओमन अपन ला एक-दूसर के संग नापथें अऊ अपन तुलना एक-दूसर के संग करथें, त ओमन नासमझ एं। 13पर हमन हद के बाहरि घमंड नईं करन। हमर घमंड ह परमेसर के ठहरियाय हद के भीतर होही, अऊ ए हद म तुमन घलो आथव। 14हमन जादा घमंड नईं करत हवन, यदा हमन तुम्हर करा नईं आय रहतिन, त ए मामला होतसि; पर हमन सबले पहिली मनखे रहें, जऊन मन तुम्हर करा मसीह के सुघर संदेस लेके आयेंन। 15आने मन के महिनत ऊपर हमन सीमा के बाहरि घमंड नईं करन। पर हमन ला आसा हवय कि जइसने-जइसने मसीह म तुम्हर बसिवास ह बढ़त जाही, त हमर काम के इलाका ह घलो तुम्हर बीच म बहुत बढ़त जाही। 16अऊ हमन तुम्हर इलाका के बाहरि सुघर संदेस के परचार कर सकबो। काबरकी आने मनखे के इलाका म पहिली ले करे गे काम के बारे म, हमन घमंड करे नईं चाहन। 17पर जऊन ह घमंड करे चाहथे, ओह परभू के काम ऊपर घमंड करय। 18काबरकी जऊन ह अपन बड़ई आप करथे, ओला सही मनखे नईं समझे जावय, पर जऊन मनखे के बड़ई परभू ह करथे, ओह सही मनखे समझे जाथे।

पौलुस अऊ लबरा प्रेरति

11 मोला आसा हवय कि तुमन मोर थोरकन मूर्खता ला सह लूहू, अऊ हां तुमन एला सहत घलो हवव। 2मेंह तुम्हर बर ईसवरीय धुन रखथंव। मेंह तुम्हर ले सरिपि एकेच घरवाला के वायदा करे हवंव, जऊन ह मसीह अय, ताकि मेंह तुमन ला एक पबतिर कुवारी के रूप म ओला दे सकंव। 3पर मेंह डरत हवंव कि मसीह म तुम्हर जऊन ईमानदारी अऊ सुध भक्ती हवय, तुमन ओकर ले भटक झन जावव, जइसने हवा ह सांप के छल-कपट ले धोखा खाय रहिसि। 4काबरकी यदि कोनो तुम्हर करा आथे अऊ आने यीसू के परचार करथे, जेकर परचार हमन नईं करे हवन या फेर जऊन आतमा तुमन ला पहिली मलि हवय, ओला छोड़के कोनो अऊ आतमा के बारे म गोठियाथे या फेर कोनो अऊ कसिम के सुघर संदेस सुनाथे, जऊन ला तुमन नईं सुने रहेव, त तुमन ओला असानी से मान लेथव। 5पर मेंह अपन-आप ला ओ बड़े प्रेरतिमन ले कोनो बात म कम नईं समझंव। 6मेंह गोठियाय म अनाड़ी अंव, पर मोर करा गयान हवय। हर कसिम ले, हमन ए बात ला तुम्हर आधू म साफ कर दे हवन।

7का मेंह कोनो पाप करेवं कि तुमन ला परमेसर के सुघर संदेस ला बगिर कोनो दाम लयि सुनाय, अऊ अपन-आप ला दीन-हीन करेवं ताकि तुमन ऊपर उठाय जावव। 8तुम्हर बीच म सेवा करे बर, मेंह आने कलीसियामन ले मदद लेंव, ताकि तुम्हर सेवा कर सकंव। 9जब मेंह तुम्हर संग रहेंव अऊ मोला कोनो चीज के जरूरत होईस, त मेंह काकरो ऊपर बोझ नईं बनेवं, काबरकी जऊन भाईमन मकदिनिया ले आईन, ओमन मोर जरूरत के चीज ला पूरा करनि। मेंह अब तक तुम्हर ऊपर कोनो बोझ नईं बने हवंव, अऊ भविस्य म घलो, मेंह तुम्हर ऊपर कोनो कसिम ले बोझ नईं बनेवं। 10जब तक मसीह के सच्चई मोर म हवय, तब तक अखया छेत्र म कोनो मोर ए घमंड करई ला नईं रोकय। 11काबर? का एकरसेर्ता कि

मेंह तुम्हर ले मया नई करंव? परमेसर ह जानत हवय कि मेंह तुम्हर ले मया करथंव। 12जऊन काम मेंह करत हवंव, ओला मेंह करतेच रहिहूं, ताका ओ लबरा प्रेरतिमन के घमंड करे अऊ ए कहे ला लबरा साबति करंव कि ओमन घलो ओहीच कसिम के काम करथें, जइसने हमन करथन।

13काबरका अइसने मनखेमन लबरा प्रेरति, छल-कपट ले काम करइया अऊ मसीह के प्रेरति के सही ढोंग करइया अंय।

14अऊ एह कोनो अचम्भो करे के बात नो हय, काबरका सैतान ह खुद ज्योतिमिय स्वरगदूत सही रूप धरथे। 15एकरसेती यदी ओकर सेवकमन घलो धरमीपन के सेवक सही रूप धरंय, त कोनो बड़े बात नो हय, पर ओमन के अंत ह ओमन के काम के मुताबकि होही।

पौलुस अपन दुःख तकलीफ ऊपर घमंड करथे

16मेंह फेर कहत हंव, कोनो मोला मुख झन समझय। पर यदी तुमन मोला मुख समझथव, त मोला एक मुख के रूप म ही गरहन करव, ताका मेंह घलो थोरकन घमंड कर सकंव। 17घमंड के ए बात म, मेंह एक मुख मनखे के सही गोठियावत हंव, मेंह वइसने नई गोठियावत हवंव, जइसने परभू ह गोठियाही। 18जब कतको झन संसारकि बात के घमंड करथें, त मेंह घलो घमंड करहूं। 19तुमन खुसी ले मुखमन के सह लेथव, काबरका तुमन बहुत समझदार अव। 20अऊ त अऊ, कहूं कोनो तुमन ला गुलाम बना लेथे, या तुमन ला ठगथे या तुम्हर ले फायदा उठाथे या तुम्हर आघू म अपन-आप ला बड़े बनाथे या फेर तुम्हर गाल म थपरा मारथे, तभो ले तुमन ओकर सह लेथव। 21मोला ए कहत सरम आथे कि हमन ओ जम्मो काम म बहुत कमजोर रहें। पर यदी कोनो मनखे कोनो बात म घमंड करे के हिम्मत करथे, त मेंह एक मुख मनखे के सही कहत हंव कि मेंह घलो ओ बात म घमंड करे के हिम्मत कर सकथंव। 22का

ओमन इबरानी अंय? मेंह घलो अंव। का ओमन इसरायली अंय? मेंह घलो अंव। का ओमन अब्राहम के बंस के अंय? मेंह घलो अंव। 23का ओमन मसीह के सेवक अंय? मेंह ओमन ले जादा बने सेवक अंव—मेंह ए बात एक पागल मनखे के सही कहत हंव। मेंह जादा महिनत करे हवंव, अऊ जादा बार ले जेल गे हवंव, मोला जादा कोर्रा म मारे गे हवय अऊ मेंह बार-बार मरितू के जोखिम म पड़े हंव। 24पांच बार मेंह यहूदीमन के हांथ ले उनतालीस-उनतालीस कोर्रा खाय हवंव। 25तीन बार मोला लउठी ले मारे गीस, एक बार मोर ऊपर पत्थरवाह करे गीस, तीन बार पानी जहाजमन टूट गीन, जऊन म मेंह जावत रहेंव, एक रात अऊ एक दिन मेंह खुला समुंदर म काटेव। 26मेंह बार-बार एती-ओती होवत रहेंव। मेंह नदिया के खतरा म, डाकूमन के खतरा म, मोर अपन देस के मनखेमन के खतरा म, आनजातमन के खतरा म, सहर के खतरा म, जंगल के खतरा म, समुंदर के खतरा म अऊ लबरा भाईमन के खतरा म ले गुजर चुके हवंव। 27मेंह मुसबित ले गुजर चुके हंव अऊ कठिन महिनत करे हवंव अऊ कतको रतहा ले उसनदा रहे हवंव, मेंह भूख अऊ पियास ला जानत हंव अऊ अकसर बगिर खाय भूख ला सहे हवंव, मेंह जाड़ा म कम कपड़ा म रहे हवंव। 28अऊ आने बातमन ला का कहंव; हर दिन, जम्मो कलीसियामन बर मोला अपन चीता खाय जावथे। 29जब कोनो कमजोर होथे, त मेंह घलो ओकर कमजोरी महसूस करथंव; जब कोनो पाप म गरिथे, त मोला दुःख होथे।

30यदी मोला घमंड करना जरूरी ए, त मेंह ओ बात बर घमंड करहूं, जऊन ह मोर कमजोरी ला देखाथे। 31परभू यीसू के ददा परमेसर जेकर महिमा सदा होवय, ओह जानत हवय कि मेंह लबारी नई मारत हवंव। 32दमस्कि म अरितास राजा के अधीन म जऊन राजपाल रहिसि, ओह मोला पकड़े बर दमस्कि सहर म पहरेदार लगाय रहिसि। 33पर मनखेमन मोला एक ठन टुकनी म बईठारके, सहर के दवाल म बने एक

खड़िकी म ले खाल्हे उतार दीन अऊ मेंह ओकर हांथ ले बांच गेव।

पौलुस के दरसन

12 मेंह घमंड जरूर करहूँ, हालांकि एकर ले कुछ लाभ नई होवय। पर मेंह परभू के दुवारा दयि गय दरसन अऊ परकासन के बारे म गोठियाहूँ। 2मेंह मसीह म एक मनखे ला जानत हंव, जऊन ह चौदह बछर पहिली तीसरा स्वरग म उठा लयि गे रहिसि। मेंह नई जानंव, पर परमेसर ह जानथे कि ओह देहें म उठाय गीस या बगिर देहें के। 3अऊ मेंह जानत हंव कि ए मनखे ह स्वरग लोक म लाने गीस। मेंह नई जानंव, पर परमेसर ह जानथे कि ओह देहें म लाने गीस या बगिर देहें के। 4ओह अइसने बातमन ला सुनसि, जऊन ह कहे के नो हय, अऊ ए बातमन ला बताय के अनुमती मनखे ला नई दे गे हवय। 5मेंह अइसने मनखे के ऊपर घमंड करहूँ, पर अपन कमजोरी के छोड़ मेंह अपन ऊपर अऊ कोनो बात म घमंड नई करंव। 6पर कहूँ मेंह घमंड करे चाहंव घलो, त एह मोर मूरखता नई होही, काबरकि मेंह सच गोठियाहूँ। पर मेंह घमंड नई करंव, ताकि जऊन कुछ मेंह करथंव या कहथिव, कोनो मोला ओकर ले बढ़ के झन समझय।

7ए अद्भूत चीजमन ला देखे के कारन, मेंह घमंडी झन हो जावंव, एकरसेती मोर देहें म एक कांटा गडाय गीस, याने कि सैतान के एक दूत ह मोला परेसान करे बर आईसे। 8तीन बार मेंह परभू ले बनिती करेवं कि ओह एला मोर ले हटा देवय। 9पर ओह मोला कहसि, “मोर अनुग्रह ह तोर बर बहुते ए, काबरकि मोर सामरथ ह दुरबलता म सिद्धि होथे।” एकरसेती खुसी ले, मेंह अपन दुरबलता के ऊपर अऊ घमंड करहूँ, ताकि मसीह के सामरथ ह मोर ऊपर बने रहय। 10एकर कारन मसीह के हति म मेंह दुरबलता म, बेजत्ती म, तकलीफ म, सतावा म अऊ कठिनाई म खुस रहथिव। काबरकि जब मेंह दुरबल हंव, तबे मेंह बलवान अंव।

कुरनिथुस के कलीसिया बर पौलुस के फकिर

11मेंह अपन-आप ला मुख बनाएवं, पर तुमन मोला एकर बर लाचार करे हवव। तुमन ला तो मोर परसंसा करना रहिसि। हालांकि मेंह कुछ नो हंव, तबो ले ओ बड़े प्रेरितमन ले मेंह कोनो बात म कम नो हंव। 12जऊन बातमन कोनो ला एक प्रेरित के रूप म साबति करथे, ओमन चनिहां, अचरज अऊ चमत्कार के काम अंय अऊ ए बातमन तुम्हर बीच म बड़े धीरज के साथ करे गीस। 13तुमन कोन बात म आने कलीसिया ले कम रहेव, सवाय ए कि मेंह तुम्हर ऊपर कभू बोझ नई बनेवं। तुमन मोला ए गलती बर छेमा करव।

14अब मेंह तीसरा बार तुम्हर करा आय बर तयार हवंव, अऊ मेंह तुम्हर ऊपर कोनो बोझ नई बनंव, काबरकि मेंह तुम्हर संपत्ती नई, पर तुमन ला चाहथंव। काबरकि लइकामन ला अपन दाई-ददा खातिर धन नई जमा करना चाही, पर दाई-ददा मन ला अपन लइकामन खातिर धन जमा करना चाही। 15एकरसेती, जऊन कुछ मोर करा हवय, ओला मेंह खुसी ले तुम्हर बर खरचा कर दूहूँ, अऊ मेंह खुद अपन-आप ला घलो दे दूहूँ। यदी मेंह तुमन ला जादा मया करथंव, त का तुमन मोला कम मया करहूँ? 16तब तुमन मान लेथव कि मेंह तुम्हर ऊपर बोझ नई बनेवं। पर तुमन कह सकत हव कि मेंह चालबाज अंव अऊ छल करके मेंह तुम्हर ले मदद ले हवंव। 17जऊन मन ला मेंह तुम्हर करा पठाएवं, का ओमन के दुवारा मेंह तुम्हर ले फायदा उठाएवं? 18मेंह तीतुस ले बनिती करेवं कि ओह तुम्हर करा जावय अऊ मेंह हमर भाई ला घलो ओकर संग पठाएवं। का तीतुस ह तुम्हर ले फायदा उठाईस। नई ना। का हमन एकेच आतमा म होके काम नई करेन? का हमर चाल-चलन ह एक सही नई रहिसि?

19का तुमन अभी तक ए सोचत हव कि हमन तुम्हर आघू म अपन सफई देवत हवन? परमेसर ला हाजिर जानके, हमन

मसीह म होके गोठयावत हवन। हे मयारू संगवारीमन हो! जऊन कुछू हमन करथन, तुम्हर उन्नती बर करथन। 20काबरका मोला डर हवय कि जब मेंह उहां आवंव, त मेंह तुमन ला वइसने नई पावंव, जइसने कि मेंह चाहथंव, अऊ तुमन मोला वइसने झन पावव, जइसने तुमन चाहथव। मोला डर हवय कि उहां झगरा, जलन, कोरोध, स्वारथीपन, ननिदा, अफवाह, घमंड अऊ हंगामा होवत होही। 21मोला डर हवय कि जब मेंह फेर आवंव, त मोर परमेसर ह मोला तुम्हर आघू म नम्र करय अऊ मोला ओ बहुते मनखेमन बर दुःखी होना पड़य, जऊन मन पहिली पाप करनि अऊ अपन असुधता, अनैतिकता अऊ छिनारपन ले पछताप नई करे हवंय, जऊन म ओमन सामलि रहनि।

आखरी चेतनी

13 मेंह तीसरा बार तुम्हर करा आवत हंव। परमेसर के बचन म लिखे हवय, “हर एक बात के फैसला दू या तीन झन के गवाही ले होना चाही।” 2जब मेंह दूसर बार तुम्हर करा आय रहेंव, त तुमन ला चेताय रहेंव। जब मेंह तुम्हर बीच म नई अंव, त मेंह ओ बात ला फेर कहत हंव: जब मेंह आहूं, त ओमन ला नई छोड़व, जऊन मन पहिली पाप करे रहनि। 3तुमन एकर सबूत चाहथव कि मसीह ह मोर दुवारा गोठयाथे। मसीह ह तुम्हर बर नरिबल नो हय, पर ओह तुम्हर बीच म अपन सामरथ ला देखाथे। 4ए बात तो सच ए कि ओह नरिबलता म कुरुस ऊपर चघाय गीस, पर ओह परमेसर के सामरथ के दुवारा जीयत हवय। वइसनेच हमन ओम नरिबल हवन, पर परमेसर के सामरथ ले तुम्हर सेवा करे बर हमन ओकर संग जीयत रहिबो।

5तुमन अपन-आप ला परखव अऊ देखव कि तुमन बसिवास के मुताबिक चलत हवव कि नई। अपन-आप ला जांचव। का तुमन नई जानव कि मसीह यीसू ह तुमन म हवय? यदि नई ए, त फेर तुमन जांच म फेल हो गे हवव। 6पर मोला बसिवास हवय कि तुमन जान

जाहू कि हमन जांच म पास हो गे हवन। 7अब हमन परमेसर ले पराथना करत हवन कि तुमन कोनो गलत काम झन करव। एकरसेती नई कि हमन जांच म पास हो गे हवन, पर एकरसेती कि तुमन ओ काम करव जऊन ह सही ए, चाहे हमन फेल हो गे हवन सहीं भले ही लगय। 8काबरका हमन सच के बरिध म कुछू नई कर सकन, पर हमन सरिपि सच के खातिर ही कर सकथन। 9हमन ला खुसी हवय कि जब भी हमन नरिबल हवन, त तुमन मजबूत हवव अऊ हमन पराथना करथन कि तुमन सिद्ध बनव। 10एकरे कारन, जब मेंह तुम्हर संग नई अंव, त ए बातमन ला लिखत हवंव, ताकि जब मेंह तुम्हर करा आवंव, त मोला अपन अधिकार के उपयोग करे म कठोर झन होना पड़य; काबरका परभू ह मोला ए अधिकार तुम्हर आत्मिक उन्नती बर दे हवय, तुम्हर बनिास बर नई।

आखरी जोहार

11आखरि म, हे भाईमन हो। अब बिदा लेथव। सिद्ध बने के कोसिस म रहव; मोर बनिती ला सुनव; एक मत होके रहव अऊ सांती बनाय रखव। तभे मया अऊ सांती देवइया परमेसर ह तुम्हर संग रहिही। 12पबतिर चूमा के संग एक-दूसर ला जोहार करव। 13जम्मो संत मनखेमन तुमन ला अपन जोहार कहत हवंय।

14परभू यीसू मसीह के अनुग्रह, परमेसर के मया अऊ पबतिर आतमा के संगति तुमन जम्मो झन संग रहय।

a 20 “आमीन” ह इबरानी भासा के एक सबद ए, जेकर मतलब होथे—“एह सच ए”। b 6 तीतुस ह कुरिन्थुस सहर ले आके मकदिनया म पौलुस ले भेंट करसि। c 9 भजन संहिता 112:9 d 2 “तीसरा स्वरग” के मतलब स्वरगमन म बहुत ऊंचा। e 7 इहां “कांटा” के मतलब “समस्या” या “पीरा” हो सकथे।